Sl. No.	Name of State	Solar Photovoltaic Systems		Biogas Plants (Nos.)	Improved Chulha (Nos.)	Biomass Gasifier	
		SPV Systems (Nos.)	Power Plants/ Packs (kWp)			No. of Systems	Capacity (KW)
21	Sikkim	—	—	201	5117	—	—
22	Tamil Nadu	1219	—	3894	208142	—	—
23	Tripura	—	—	87	3188	—	—
24	Uttar Pradesh	13800	—	16141	227889	—	—
25	West Bengal	739	—	12591	169823	5	500
26	Andaman & Nicobar	38	—	7	1740	—	—
27	Chandigarh	—	—	—	1500	—	—
28	Dadar & Nagar Haveli	—	—	2	1000	—	—
29	Delhi	307	—	3	2120	—	—
30	Lakshwadeep	291	—	—	—	—	—
31	Pondicherry	2	—	1	2256	—	—
32	Others	—	—	—	—	—	—

Statement-II

Various Non-Conventional Energy Systems/Devices installed in the State of Orissa and in the country as on 31st October, 1997.

Sl. No.	Programmes	Cumulative Achievements up to 31.03.1997 in	
		Orissa	National
1.	Biogas Plants (Nos.)	1,32,297	25,38,992
2.	Improved Chulha (Nos.)	13,54,000	2,28,43,000
3.	Solar Energy programme		
	i. Solar Lanterns (Nos.)	1967	1,31,190
	ii. Street Light Systems (Nos.)	2068	31,527
	iii Home light Systems (Nos.)	256	52,330
	iv. Community Lighting/TV Systems (Nos.)	58	875
	v. Solar Power Packs (Nos./capacity)	5 (33.91 kWp)	184 (999 kWp)
4.	Solar Cookers	2530	4,35,940
5.	Solar Thermal systems	2,459 m^2	3,80,000 m^2
6.	Water Pumping Wind Mills (Nos.)	322	3280
7.	Small Hydro Power projects (Nos./Capacity)	3 (1.26 MW)	210 (144.24 MW)

एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम

577. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ख) उत्तर प्रदेश में इसको किस प्रकार कार्यान्वित किया जा रहा है तथा उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने राज्य में एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम के संबंध में हुई प्रगति का अध्ययन कराया है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या राज्य में इस कार्यक्रम से अपेक्षित परिणाम मिल रहे हैं?

गैर पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम (आई०आर०ई०पी०) का उद्देश्य एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजनाओं और परियोजनाओं को बनाकर और इनका कार्यान्वयन करके जीवन बसर करने और उत्पादनकारी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सभी प्रकार के ऊर्जा स्रोतों के इष्टतम मिश्रण को उपलब्ध कराना है। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय और राज्य क्षेत्र संघटक शामिल

हैं। केन्द्रीय क्षेत्र संघटक में एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना शामिल है जिसके अंतर्गत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजनाओं और परियोजनाएं बनाने और उनका कार्यान्वयन करने हेतु क्षमताओं का विकास किया जाता है। केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत राज्य और जिला/ब्लॉक स्तरीय आई०आर०ई०पी० परियोजना सैलों में व्यावसायिक और सहायक स्टाफ, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने और इसके विस्तार के प्रावधानों सहित इन स्टाफों के प्रशिक्षण हेतु सहायता-अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। राज्य क्षेत्र के परिव्यय का उपयोग प्रदर्शन परियोजनाओं के लिए निधियों, विभिन्न ऊर्जा युक्तियों हेतु वित्तीय प्रोत्साहनों, विस्तार और ब्लॉक स्तरीय एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना के कार्यान्वयन हेतु अन्य संबंधित कार्य कलापों सहित आई०आर०ई०पी० योजनाओं और परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए किया जाता है। ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास तथा अन्य चालू योजनाओं कार्यक्रमों से निधियों एवं संसाधनों का उपयोग आई०आर०ई०पी० के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना के अंग के रूप में यथासंभव आई०आर०ई०पी० ब्लॉकों में किया जाता है।

एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर वर्गों हेतु कुकिंग, रोशनी एवं तापन के लिए न्यूनतम ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करना और आई०आर०ई०पी० ब्लॉकों में आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण साधन (इनपुट) के रूप में ऊर्जा उपलब्ध कराना है।

(ख) एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम (आई०आर०ई०पी०) का कार्यान्वयन वर्तमान में उत्तर प्रदेश के 88 ब्लॉकों में किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा 12 अगस्त, 1997 को उत्तर प्रदेश के 10 अतिरिक्त ब्लॉकों में आई०आर०ई०पी० के कार्यान्वयन का अनुमोदन किया गया है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश में इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक राज्य स्तरीय आई०आर०ई०पी० सैल, 57 जिला स्तरीय तकनीकी बैकअप यूनिटों, एक राज्य स्तरीय तकनीकी बैकअप यूनिट, 3 राष्ट्रीय पाइलट परियोजनाओं और एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण-सह-अनुसंधान एवं विकास केन्द्र की स्थापना की गई है। उत्तर प्रदेश में आई०आर०ई०पी० के कार्यान्वयन हेतु अपारंपरिक ऊर्जा विकास एजेंसी (नेडा), नोडल एजेंसी का काम करती है।

(ग) से (ङ) जी हां। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1993-94 में चुनिंदा आई०आर०ई०पी० ब्लॉकों में एक स्वतंत्र सरकारी एजेंसी के माध्यम से एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम की प्रगति का अध्ययन कराया गया था। इस अध्ययन से यह पता चला था कि आई०आर०ई०पी० ब्लॉकों में उन्नत ऊर्जा प्रणालियों और युक्तियों का प्रयोग करने के परिणामस्वरूप ऊर्जा की जो बर्बादी पारंपरिक ऊर्जा प्रणालियों और युक्तियों के प्रयोग से काफी मात्रा में होती थी, पर नियंत्रण करना संभव हुआ है। इसके अलावा इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि इस कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

Mini Steel Plants in Bihar

578. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Government have conducted any survey to find out the total number of mini steel plants or electric arc furnace units in the State of Bihar as on date and what is the annual production of steel by such units in the State during the last three years;

(b) the details thereof, district-wise and year-wise;

(c) the number of mini steel plants lying closed in the State as on date; and

(d) the reasons for their closure and the action Government propose to take to reopen these plants in othe State?

THE MINISTER OF STEEL AND THE MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (d) Government have not conducted survey of the electric are furnace based mini steel plants in the recent past. However, as per the available information, there are 5 electric arc furnace based mini steel plants in the State of Bihar. District wise details regarding their production during the last